प्रयोजनमूलक हिंदी

बी.ए. द्वितीय वर्ष

(पेपर क्र. VIII)

सत्र – चतुर्थ (Semester – IV)

8.1.1 पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ एवं परिभाषा

पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ एवं परिभाषा

पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ

पारिभाषिक शब्द अंग्रेजी के 'टेक्निकल' शब्द का हिंदी अनुवाद है | 'टेक्निकल' शब्द ग्रीक भाषा के 'टेक्निक्स' शब्द से बना है, जिसका अर्थ है – विशिष्ट कला का या विज्ञान का या कला के बारे में |

इस आधार पर पारिभाषिक शब्द वे शब्द होते हैं, जो किसी विशिष्ट कला या विज्ञान की किसी शाखा से संबद्ध होते हैं तथा उनसे संबंधित किसी विशेष अर्थ की अभिव्यक्ति करते हैं |

प्रयोग की दृष्टि से शब्दों को तीन भागों में बांटा जा सकता है – 1. सामान्य शब्द, 2. अर्द्ध पारिभाषिक शब्द व 3. पारिभाषिक शब्द |

1) सामान्य शब्द :-

आम बोलचाल में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सामान्य शब्द कहा जाता है | जैसे – बाजार, मकान, दुकान, भालू, आलू आदि | इस प्रकार के शब्द अनेक अर्थ अभिव्यक्त कर सकते हैं| इसके अतिरिक्त उसी अर्थ को अभिव्यक्त करने के लिए कुछ अन्य शब्द भी हो सकते हैं |

2) अर्द्ध पारिभाषिक शब्द :-

ऐसे शब्द जो कभी पारिभाषिक रूप में प्रयोग होते हैं तो कभी सामान्य रूप में, उन्हें अर्ध पारिभाषिक शब्द कहते हैं |

इस विषय में अरस्तु ने कहा है – " एक शब्द अलग अलग प्रकरणों में पारिभाषिक भी हो सकता है और सामान्य भी |"

उदाहरण के लिए 'रस' एक सामान्य शब्द भी है और पारिभाषिक भी | सामान्य जीवन में रस का अर्थ – किसी फल या गन्ने को निचोड़ कर प्राप्त किए गए पेय पदार्थ से है | काव्यशास्त्र में 'रस' का अर्थ – साहित्य से प्राप्त अलौकिक आनन्द से है जबकि रसायन विज्ञान में 'रस' विभिन्न द्रवों की ओर संकेत करता है |

3) पारिभाषिक शब्द :-

पारिभाषिक शब्द वे शब्द होते हैं, जो किसी विशिष्ट क्षेत्र में एक विशिष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति करते हैं | ये क्षेत्र चिकित्सा, विज्ञान, दर्शन, साहित्य, विधि व वाणिज्य आदि हो सकते हैं | कई बार एक ही शब्द कई क्षेत्रों में मिलता है | परंतु प्रत्येक क्षेत्र में वह शब्द एक विशेष अर्थ को लिए हुए होता है | जैसे – सेल (Cell) शब्द का अर्थ जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान व साहित्य के क्षेत्र में भिन्न भिन्न है | परंतु अनेकार्थी होते हुए भी किसी विशिष्ट क्षेत्र में इस शब्द का प्रयोग करने पर यह एक विशिष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति करता है और उस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को भ्रम की स्थिति से बचाता है | यही पारिभाषिक शब्दावली की उपयोगिता है |

▣

पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषाएँ :-

डॉ भोलानाथ तिवारी के अनुसार :

"पारिभाषिक शब्द ऐसे शब्दों को कहते हैं जो रसायन, भौतिकी, दर्शन, राजनीति आदि विभिन्न विज्ञानों या शास्त्रों के शब्द होते हैं तथा जो अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट अर्थ में सुनिश्चित रूप में परिभाषित होते हैं | अर्थ और प्रयोग की दृष्टि से निश्चित रूप से परिभाषित होने के कारण ही यह शब्द पारिभाषिक शब्द कहलाते हैं |"

डॉक्टर गोपाल शर्मा के अनुसार :

"पारिभाषिक शब्द वह शब्द है जो किसी ज्ञान विशेष के क्षेत्र में एक निश्चित अर्थ में प्रयुक्त होता हो तथा जिसका अर्थ एक परिभाषा द्वारा स्थिर किया गया हो |"

पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषाएँ :-

डॉ रघुवीर के अनुसार :

"जिन शब्दों की सीमा बांध दी जाती है, वे पारिभाषिक शब्द हो जाते हैं और जिनकी सीमा नहीं बांधी जाती, वे साधारण शब्द होते हैं ।"

डॉ नरेश मिश्र के अनुसार :

"जिन शब्दों को ज्ञान-विज्ञान के किसी निश्चित क्षेत्र में किसी निश्चित अर्थ में परिसीमित कर प्रयोग किया जाए, उन्हें पारिभाषिक शब्द कहते हैं ।"

पारिभाषिक शब्द की विशेषताएं :-

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर पारिभाषिक शब्द की निम्नलिखित विशेषताएं प्रकट होती है :

पारिभाषिक शब्द किसी विशेष विज्ञान, विशेष कला या विशेष शास्त्र से जुड़े होते हैं |

पारिभाषिक शब्द एक विशिष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति करते हैं |

पारिभाषिक शब्दों की सीमा बांध दी जाती है |

पारिभाषिक शब्दों का अर्थ सुनिश्चित होता है |

विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्द एक निश्चित अर्थ में परिभाषित होते हैं, किसी अन्य अर्थ में इनका प्रयोग नहीं किया जा सकता |

अस्वीकरण

निम्नलिखित वीडियों विभिन्न पुस्तकों , मीडिया , इंटरनेट अंतरिक्ष , आदि से एकत्र किए गए शोध और केस स्टडीज पर आधारित है । संतोषकुमार यशवंतकर और निर्माता वीडियो में निहित जानकारी की सटीकता , सामग्री , पूर्णता , वैधता या विश्वसनीयता के लिए किसी भी जिम्मेदारी या दायित्व को स्वीकार नहीं करते हैं । वीडियो पूरी तरह से शैक्षिक उद्देश्यों के लिए बनाया गया है और किसी व्यक्ति , व्यक्तियों , संस्था , कंपनी या किसी के शरीर को नुकसान पहुंचाने , चोट पहुंचाने या बदनाम करने के इरादे से नहीं बनाया गया है । इस वीडियो का उद्देश्य किसी भी धर्म , समुदायों या व्यक्तियों की अफवाहों को फैलाना , अपमानित करना या उन्हें चोट पहुंचाना या किसी व्यक्ति (जीवित या मृत) के प्रति असहमति पहुंचाना नहीं है , दर्शक को हमेशा अपना परिश्रम करना चाहिए और जो कोई भी इसमें शामिल होना चाहता है वीडियो में इसके लिए पूरी जिम्मेदारी लेता है । साथ ही , यह उनके स्वयं के जोखिम और परिणामों पर किया जाता है । इस वीडियो में शामिल सामग्री किसी भी क्षेत्र में सेवाओं या प्रशिक्षित पेशेवरों के लिए प्रतिस्थापन या प्रतिस्थापन नहीं कर सकती है , लेकिन वित्तीय , चिकित्सा , मनोवैज्ञानिक या कानूनी मामलों तक सीमित नहीं है । डॉ । संतोषकुमार यशवंतकर और निर्माता वीडियो पर आधारित किसी भी कार्रवाई के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रत्यक्ष , अप्रत्यक्ष , निहित , दंडात्मक , विशेष , आकस्मिक , या अन्य के लिए जिम्मेदारी नहीं लेते हैं । डॉ । संतोषकुमार यशवंतकर और वीडियो के निर्माता किसी भी तरह के परिवाद , निंदा या किसी अन्य प्रकार के दावे या किसी भी प्रकार के दावे को स्वीकार करते हैं । दर्शकों को विवेक की सलाह दी जाती है शर्ते लाग करें ।

इस व्हिडियों / PPT का उदेश्य केवल अध्यापन के लिए है, न कि प्रसिद्धी पाने के लिए। इसका समग्र श्रेय सभी महानुभवों को जाता है जिन-जिनकी सामग्री का उपयोग यह बनाने के लिए हुआ है। मैं उन समस्तजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हुँ जिनकी सामग्री का उपयोग यह व्हिडियों / PPT के लिए हुआ है। यह मेरी कोई मौलिक उपलब्धी नहीं है और न ही कोई सृजनात्मकता। इस का उदेश्य केवल और केवल छाञों तक पहुँचाना हैं। इससे किसीके दिल को प्रत्यक्ष या परोक्षरुप से कोई ठेस या आहत पहुँचती है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हुँ - आपका प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता . गेवराई जि . बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर